SHODH SAGAR®
Innovative Research Thoughts
ISSN: 2454-308X | Vol. 10 | Issue 4 | Oct - Dec 2024 | Peer Reviewed & Refereed

" माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों में ऑनलाइन शिक्षा की उपयोगिता एवं उसके नैतिक जीवन पर पडने वाले प्रभाव"

प्रहलाद सहाय मीना, शोधार्थी
डॉ० देवेन्द्र कुमार लोढा, शोध निर्देशक
शोधार्थी, शिक्षा संकाय
लार्ड विश्वविद्यालय अलवर–राजस्थान

सार
ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली अर्थात ई–लर्निंग के आधार पर शिक्षा को जाना जाता है। भारत जेसे विकासशील राष्ट्र में ऑनलाइन शिक्षा एक तकनीकि टुल्स के रूप में उपयोग किया जाने का स्वपन सजोंया गया जिसको सीमित संसाधनों के साथ प्रारम्भ भी किया गया जो स्वभाविक तौर पर क्रियात्मक होते है जिनका उद्देश्य शिक्षक व शिक्षार्थी के व्यकितगत अनुभव, ज्ञान एवं अभ्यास के साथ शिक्षण प्रक्रिया को पूर्ण करना है। ऑनलाईन शिक्षा प्रणाली का नवीनतम रूप है जिसको विभिन्न प्लेटफार्म के साथ सम्पन्न किया गया। जिसके लिए शिक्षक के रूप मे इन्टरनेट पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री का उपयोग किया गया। सन् 1993 में ऑनलाईन शिक्षा को वैध शिक्षा के रूप में मान्यता मिल गई थी जिसको हम दुरस्थ शिक्षा के रूप मे भी जानते है। ई–लर्निंग पर आधारित शिक्षा आज के परिप्रेक्ष्य में बहुत ही कारगर सिद्व हो रही है क्योकि आमकाजी लोगों की शिक्षा को पूण करने में ऑनलाइन शिक्षा महत्ती भूमिका निभा रही है।

प्रस्तावना
परम्परागत समय में शिक्षा गुरूकुलों में गुरूओं के सामने बैठ कर ली जाती थी लेकिन कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी ने दुनिया को बुरी तरह झकझोर का रख दिया था ओर इसमे सबसे अधिक प्रभाव शिक्षा पर पडा। शिक्षा को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पूरे विश्व में ऑनलाईन शिक्षा का तेजी से विकास हुआ। ऑनलाईन शिक्षा प्रणाली का नवीनतम रूप है जिसको विभिन्न प्लेटफार्म के साथ सम्पन्न किया गया। जिसके लिए शिक्षक के रूप मे इन्टरनेट पर उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री का उपयोग किया गया। सन् 1993 में ऑनलाईन शिक्षा को वैध शिक्षा के रूप में मान्यता मिल गई थी जिसको हम दुरस्थ शिक्षा के रूप मे भी जानते है। वर्तमान समय में बडी–बडी जेसे मेडिकल,कानुन एवं इंजीनियरिंग जेसी विभिन्न सस्थाओं मे ऑनलाइन शिक्षा का चलन था परन्तु वर्तमान समय में ऑनलाईन शिक्षा का तेजी से विकास हुआ है। ऑनलाईन शिक्षा का सम्पादन करने के लिए तकनीकि गजट का प्रयोग किया गया जिसमे लैपटॉप,सेल फोन एवं कम्प्यूटर का तेजी से विकास हुआ ओर ऑनलाईन शिक्षा का कोरोना समय में एक सुरक्षित एवं तेज माध्यम के रूप प्रसिद्व हुआ।

ऑनलाईन शिक्षा के लिए तकनीकि में बदलाव–
वैश्विक महामारी के दौर में शिक्षा को सुचारू संचालन के लिए शैक्षिक तकनीकि में भी आमूलचूल परिवर्तन हुए जिससे शिक्षा लेने के लिए नई नई तकनीक का प्रयोग किया गया। ऑनलाईन शिक्षा के माध्यम से शिक्षण सामग्री भी एक जगह से दूसरी जगह भेजने मे आसानी हो गई। उदाहरण के रूप में राजस्थान सरकार ने स्माइल प्रेजेक्ट के तहत विद्यार्थियों को व्हाट्सअप के माध्यम से शिक्षण सामग्री को बच्चों के पास प्रतिदिन भेजा जाने लगा। ऑनलाईन शिक्षा, बदलते परिवेश मे कारगर सिद्व हुई जिससे शिक्षा को दुर दराज के क्षेत्र मे इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से पहुचाया जा सका। ऑनलाईन शिक्षा के निम्नलिखित फायदे है जिसके कारण विद्यार्थियों को अपनाने में थोडा भी संकोच नही हुआ।

1- शैक्षिक तकनीकि में बदलाव।
2- समय एवं धन की बचत।
3- सूविधा के अनुसार पढाई करने का अवसर।
4- बार–बार क्लास को पढने की सूविधा।
5- ऑनलाईन क्लास में समझना ओर पूछना आसान क्योंकि शिक्षक से व्यक्तिगत बात कर समस्या का हल किया जा सकता है।

6- इन्टरनेट जैसी वैश्विक तकनीक के विकास में सहायक।
7- वैश्विक शिक्षा व्यवस्था को समझने के लिए उपयोगी साधन।

इस प्रकार से आनलाइन शिक्षा को सम्पन्न करने के लिए विभिन्न टुल्स का प्रयोग किया जा सकता है।आ

ऑनलाइन शिक्षा को बढावा देने के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएः–

कोरोना काल में शिक्षा को बढावा देने के लिए ओर उसको सुचारू रूप से संचालित करने के लिए भारत सरकार ने ऐसे प्लेटफार्म का निमार्ण किया जिसके माध्यम से घर बैठे शिक्षा को प्राप्त कर सके। इस क्रम में देश की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने पी० एम० –ई विधा प्रोग्राम की शुरूआत की गई जिसमे लगभग 100 से अधिक विश्वविद्यालय के सहयोग से ऑनलाइन कोर्स की शुरूआत की गई ओर विद्यार्थियों को ऑनलाइन सामग्री प्रदान करते हुए शिक्षा का आगे बढाया। 1 से 12 तक के विद्यार्थियों की शिक्षा को सुचारू चलाने के लिए केन्द्र सरकार ओर राज्य सरकार के सहयोग से **दिक्षा पोर्टल** की शुरूआत की गई जिसके आधार पर ,, वन नेषन–वन प्लेटफॉर्म,, के तहत ई–कंटेंट ओर क्यू–आर कोड आधारित किताबें उपलब्ध कराई गई। इसके साथ–साथ पॉडकास्ट्स के माध्यम से भी शिक्षा को सुचारू चलानें का प्रयास किया गया।

भारत सरकार द्वारा छात्रों,शिक्षकों एवं अभिभावकों को मनोवैज्ञानिक संबल प्रदान करने के लिए मनोदर्पण योजना की शुरूआत की गई साथ ही स्वंय प्रभा डीटीएच के माध्यम से भी बच्चों को शिक्षा प्रदान की गई। दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा को सुचारू संचालन के लिए डिजिटल एक्सेसिबल इन्फॉर्मेशन सिस्टम लाया गया जिसके माध्यम से विद्यार्थियों की जरूरतों के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था की मूहिम चलाई गई।

वर्तमान में तो विभिन्न विश्वविद्यालयों के द्वारा लगभग 25 प्रतिशत कोर्स का ऑनलाइन माध्यम से पूर्ण कराने के लिए प्रतिबद्व किया गया है जिसके आधार शिक्षा की गुणात्मकता का आंकलन किया जा सकें। वर्तमान मे राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली ओर एन० सी0 ई0 आर0 टी को ऑनलाइन शिक्षा का संचालन करने के लिए निर्देषित किया गया है।

ऑनलाइन शिक्षा के संचालन में आने वाली कठिनाईया ं–

कोरोना जेसी महामारी में आनॅलाइन शिक्षा एक चुनौती के रूप में थी जिसके अनुरूप अपने आप को ढालना एक चुनौती है जिसका समाना करना एक जटिल समस्या थी क्योकि भारत जैसे विकासशील राष्ट्र में इन्टरनेट केवल शहरी क्षेत्र तक सीमित रहा ओर दूर दराज के क्षेत्रों मे इन्टरनेट की सूविधा उपलब्ध नही थी जिससे सभी विद्यार्थियों तक इसका लाभ पहुचाना एक बडी चुनौति थी।

ऑनलाइन शिक्षा में निम्न कठिनाईयां है –

1. इन्टरनेट की अनुपलब्धता।
2. इन्टरनेट की धीमी गति।
3. गरीब एवं निम्न तबके के लोगों के पास स्मार्टफोन की अनुपलब्धता।
4. पाठ्यक्रम का उपलब्ध नही होना भी बडी समस्या है।
5. तकनीकि ज्ञान की कमी भी बाधा है।

ऑनलाइन शिक्षा के फायदेः–

विश्व के बीच बढती हुई दूरियां भी ऑनलाइन शिक्षा को बढावा दे रही है क्योकि वैश्विक बाजार में शिक्षा की पूर्ति करने के लिए ऑनलाइन शिक्षा एक महत्वपूर्ण नींव का पत्थर साबित हुई है जिसके निम्नलिखित लाभ है–

- ☞ ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र आज घर बैठे विदेशों एवं देश के किसी भी कोने से अपनी पढाई पूरी कर अपनी डिग्री पूर्ण कर सकता है।
- ☞ ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से आप किसी भी टॉपिक की जानकारी घर बैठे प्राप्त कर सकते है साथ ही किसी टॉपिक पर किसी भी अध्यापक से विचार विमर्श किया जा सकता है।
- ☞ छात्र की किसी भी समस्या का विडियो देखकर समास्या का समाधान घर बैठे कर सकता है।
- ☞ ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से कक्षा के भीतर ओर कक्षा के बहार रहकर भी अध्ययन कर सकता है।
- ☞ ऑनलाइन शिक्षा मे समय की कोई बाध्यता नही होती क्योंकि उस टॉपिक का अध्ययन समय के बाद भी विडियों को देखकर अध्ययन किया जा सकता है।

ऑनलाइन शिक्षा की हानियॉः– वर्तमान में ऑनलाईन शिक्षा के दुष्परिणाम भी सामने आ रहे जिस कारण से अनेको राष्ट्र ऑनलाइन शिक्षा से दूरिया बनाना प्रारम्भ कर दिया है।

1. ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से मानसिक ओर शारीरिक थकान को बढावा देता है जो विद्यार्थियों में तनाव की स्थिति पैदा कर देते है।
2. ऑनलाइन शिक्षा के लिए महंगे संसाधनो की आवश्यकता होती है जेसे स्मार्टफोन,लेपटॉप,इन्टरनेट जिनकी व्यवस्था एक आम आदमी अपनो बच्चों की शिक्षा को पूरा करने के लिए उपलब्ध नही करा सकता जिससे पिछडा तबका शिक्षा से दूर हो जायेगगा जो की समाज के लिए बहुत बडा नुकसान होगा।
3. ऑनलाइन शिक्षा नैतिक विकास में बहुत बडी बाधा है जिससे समाज में हताषा की स्थिति पैदा हो जाती है।
4. ऑनलाइन शिक्षा में अनशासन की सबसे बडी समस्या है ।

ऑनलाइन शिक्षा के प्रकार :– ऑनलाइन शिक्षा मुख्य रूप से दो प्रकार से प्रदान की जाती है। जिनके माध्यम से शिक्षा को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकता है।

1.**सिंक्रोनस ऑनलाइन शिक्षाः–** यह एक ऐसी शैक्षिक व्यवस्था है जिसमे शिक्षक ओर छात्रों के मध्य रियल टाइम अर्थात टेलिकास्ट शिक्षण होता है जिसको हम लाइव क्लास के रूप में भी जानते है। ऑडियो ओर विडियो कॉन्फेंसिग,लाइव चैट, तथा वर्चुवल क्लासरूम जेसी ऑनलाइन शिक्षण तकनीक आती है। इसमे कक्षा का जैसा अनुभव होता रहता है।

2.**असिंक्रोनस ऑनलाइन शिक्षाः–** इस शिक्षण पद्वति मे अपनी स्वेच्छा से जब चाहे क्लास ले सकता है ओर उनको डाउनलोड भी कर सकता है इसमे रिर्कोड की गई क्लास होती है जिनको विद्यार्थी जब चाहे उनको चलाकर अपनी शिक्षण पूर्ण कर सकता है। जहा नोट्स के साथ साथ प्रेक्टिस सैट भी उपलब्ध होते है जिनका प्रयोग करके अपना आंकलन कर सकता है।

विद्यार्थी अपनी आवश्यकता के अनुसार क्लास नौट्स को डाउनलोड कर सकता है ओर उनको अपनी डिवाइस पर सेव करके रख सकता है। जिसके लिए गुगल या किसी एप्लिकेशन को का प्रयोग कर सकता है। जैसेः–

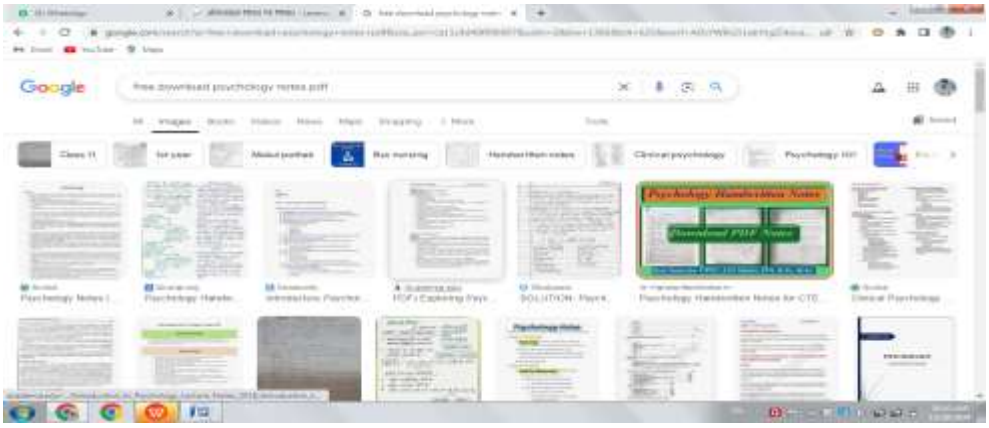

ऑनलाइन शिक्षा की आवश्यकताः– वर्तमान में भौगोलिक रूप दूर दराज केक क्षेत्रों मे शिक्षा की अलख जगाने के लिए ऑनलाइन शिक्षा एक मील का पत्थर साबित हो रही है जिसके कारण विश्व के किसी भी भागग में फेली हुई शिक्षण संस्थान से भी शिक्षा को प्राप्त किया जा सकता है किसी भी विषय के बारे में विस्तार से शिक्षा प्राप्त कर सकता है। अतः इस कारण से ऑनलाइन शिक्षा की दिनों दिन बढ रही है।

1. ऑनलाइन माध्यम से एक्टिव रहकर छात्र अपनी नॉलेज ओर क्षमताओं में वृद्वि कर सकता है ओर स्वयं भी अपने ज्ञान को बढा सकता है।

2. ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से विद्यालय कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के अलावा भी वह कही भी रहकर अपनी पढाई जारी रख सकता है जिससे वह उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त कर सकता है।

3.आनॅलाइन शिक्षा का कोई समय नही होता उसको कभी भी 24 घण्टों मे अपनी सूविधा के अनुसार प्राप्त किया जा सकता है जिसके कारण वह अपने पूर्व ज्ञान में भी वृद्वि कर सकता है।

4 ऑनलाइन शिक्षा में एक समूह में बैठ कर या व्यक्तिगत रूप में भी शिक्षा को प्राप्त कर सकता है।

संदर्भ ग्रन्थः–

- https://ctl.utexas.edu/ref-online
- https://teachonline.ca/tools-trends/must-read-books-on-online-learning
- https://iu.pressbooks.pub/online2020/back-matter/references/
- https://onlinelearningconsortium.org/read/book-series/
- https://www.goodreads.com/shelf/show/educational-psychology
- https://guides.libraries.psu.edu/edpsy/recbooks
- https://libguides.library.winthrop.edu/psychology/reference

प्रहलाद सहाय मीना, शोधार्थी
डॉ० देवेन्द्र कुमार लोढा, शोध निर्देशक
शोधार्थी, शिक्षा संकाय
लार्ड विश्वविद्यालय अलवर–राजस्थान